खनिज और ऊर्जा संसाधन

खनिज

- दक्षिण बिहार में उत्तर बिहार की तुलना में अधिक खनिज पाए जाते हैं।
- द्विभाजन से पहले बिहार खनिजों के प्रमुख उत्पादकों में से एक था।
- मैंगनीज
    - भारत दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा भंडार है।
    - इसका उपयोग मिश्र धातु बनाने के लिए लौह और इस्पात उद्योग में किया जाता है।
    - बिहार में यह पटना, मुंगेर और गया में पाया जाता है।
- माइका (अबरक)
    - भारत में 3 प्रकार के अबरक अर्थात् मस्कोवाइट, फ्लागोपाइट और बायोटाइट पाए जाते हैं।
    - बिहार और झारखंड में पाई जाने वाली माइका मस्कोवाइट है।
    - इसका इसके रोधक गुण के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में बहुत अधिक उपयोग किया जाता है।
    - द्विभाजन से पहले बिहार माइका उत्पादन में प्रमुख था।
    - यह नवादा, जामूई, बांका, भागलपुर और मुंगेर के जिलों में दक्षिण-पूर्व बिहार में पाया जाता है।
    - झारखंड में यह हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह में पाया जाता है।
- पाइराइट
    - यह लोह का सल्फाइड है, इसका मुख्यतः सल्फ्यूरिक एसिड बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
    - फरलाइजडर, पेट्रोलियम, स्टील आदि जैसे उद्योग सल्फ्यूरिक एसिड का उपयोग करते हैं।
    - रोहतास जिले में सोन घाटी और विद्यान बेल्ट में मुख्य रूप से पाया जाता है।
    - अमझोर (रोहतास) के पास एक लोह पाइराइट उद्योग है।
- चूना पत्थर
    - इसमें मुख्य रूप से कैल्शियम कार्बोनेट होता है।
    - चूना पत्थर जमा तलछटी से उत्पन्न होते हैं।
    - सीमेंट उद्योग में अच्छी गुणवत्ता वाले चूना पत्थर का उपयोग किया जाता है जबकि लोह और इमारतों के निर्माण उद्योग में कम गुणवत्ता वाले चूना पत्थर का उपयोग किया जाता है।
    - रोहतास और कैमूर में, अच्छी गुणवत्ता वाला चूना पत्थर पाया जाता है।
- अदह (एस्बेस्टोस)
    - यह रेशेदार प्रकृति का होता है।

byjusexamprep.com

    - इसका उपयोग अग्निरोधक तिजोरियों, अवरोधी (इन्सुलेटर), रोधक मैट इत्यादि में किया जा सकता है।
    - अदह (एस्बेस्टोस) सीमेंट का उपयोग इमारतों के निर्माण हेतु शीट, पाइप और टाइल बनाने में किया जाता है।
    - बिहार में यह मुख्य रूप से मुंगेर में पाया जाता है।
- मोनाज़ाइट गया और मुंगेर में पाया जाता है।
- क्वार्ट्ज़ (एक प्रकार का चमकीला पत्थर)
    - यह मुंगेर में पाया जाता है।
    - इसका उपयोग सीमेंट और ऊर्जा उद्योगों में किया जाता है।
- यूरेनियम
    - यह गया में पाया जाता है।
    - इसका उपयोग परमाणु रिएक्टरों में किया जाता है।
- बेरिलियम
    - इसका परमाणु रिएक्टर में एक मॉडरेटर के रूप में उपयोग किया जाता है
    - यह गया जिले में पाया जाता है।
- बॉक्साइट
    - यह एल्यूमीनियम का एक महत्वपूर्ण अयस्क है।
    - यह रोहतास जिले में पाया जाता है।
- सोना मुंगेर जिले में पाया जाता है।

ऊर्जा

- आर्थिक विकास और उस विकास को बनाए रखने के लिए पर्याप्त, विश्वसनीय, किफायती और गुणवत्ता ऊर्जा की उपलब्धता आवश्यक है ।
- यह रोजगार पैदा करता है जिससे गरीबी उन्मूलन और मानव विकास होता है।
- बिजली आपूर्ति अधिनियम के तहत अप्रैल, 1958 में बिहार राज्य विद्युत बोर्ड की स्थापना की गई थी।
    - यह बिहार में पीढ़ी, संचरण और वितरण के लिए अनिवार्य था।
- बिहार में बिजली उत्पादन मुख्यत: जीवाश्म ईंधन पर आधारित है।
- लेकिन अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए, बिहार सरकार ने बिहार अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (ब्रेडा) नामक एक एजेंसी का निर्माण किया है।
- बरौनी थर्मल पावर प्लांट
    - यह राज्य क्षेत्र के तहत एकमात्र बिजली संयंत्र है।
    - यह बरौनी में तेल रिफाइनरी पर आधारित है।
    - इसे वर्ष 1970 में रूसी सहायता के साथ स्थापित किया गया था।
- कांति बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड

byjusexamprep.com

    - यह एन.टी.पी.सी. और बिहार राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है।
- कोसी हाइडल पावर स्टेशन
    - यह सुपौल में कोसी नदी पर निर्मित है।
    - इसे वर्ष 1970 में शुरू किया गया था।
    - इसे 16 नवंबर, 2003 को बिहार सरकार को सौंप दिया गया था।
- नईं परियोजनाएं - थर्मल
    - नाबीनगर पावर प्लांट
        - यह परियोजना औरंगाबाद में स्थित है।
        - यह एक कोयला आधारित संयंत्र होगा।
    - पीरपेंति पावर प्लांट
        - इस परियोजना का निर्माण भागलपुर में किया जाएगा।
        - इसका निर्माण एन.एच.पी.सी. द्वारा किया जाएगा।
    - कजारा पावर प्लांट
        - इस परियोजना का निर्माण लाखिसराय में किया जाएगा।
        - इसका निर्माण एन.टी.पी.सी. द्वारा किया जाएगा।
    - नईं परियोजनाएं - हाइडल
        - बक्सर में चौसा हाइडल पावर प्लांट
        - पश्चिम चंपारण में मथौली हाइडल पावर प्रोजेक्ट

byjusexamprep.com